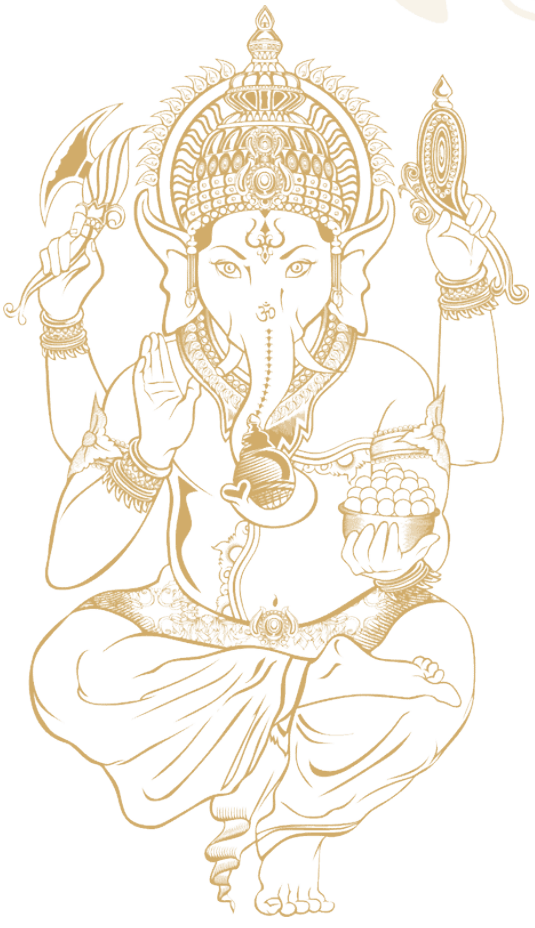

rahul

Varsha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119414903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/10/1991	जन्म तिथि	10/11/1995
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 13:16:00	जन्म समय	18:00:00 घंटे
घटी 17:26:39	जन्म समय(घटी)	28:23:03 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	New Delhi
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:36:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:21:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:20	सूर्योदय	06:39:36
17:57:45	सूर्यास्त	17:30:26
23:44:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:03

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 14वर्ष 3मा 6दि	23:11:40	धनु	लग्न	वृष	03:33:02	मंगल 3वर्ष 8मा 28दि
शनि	21:46:42	कन्या	सूर्य	तुला	23:49:51	गुरु
14/01/2022	09:25:52	तुला	चंद्र	वृष	29:32:08	08/08/2017
14/01/2041	01:13:30	तुला	मंगल	वृश्चि	21:11:57	08/08/2033
शनि 17/01/2025	25:56:04	कन्या	बुध	तुला	16:15:23	गुरु 26/09/2019
बुध 27/09/2027	11:44:32	सिंह	गुरु	वृश्चि	24:10:24	शनि 09/04/2022
केतु 05/11/2028	07:58:06	सिंह	शुक्र	वृश्चि	15:01:12	बुध 15/07/2024
शुक्र 06/01/2032	06:27:41	मक	शनि व	कुंभ	24:18:27	केतु 20/06/2025
सूर्य 18/12/2032	20:24:43	धनु व	राहु व	तुला	02:34:39	शुक्र 19/02/2028
चन्द्र 19/07/2034	20:24:43	मिथु व	केतु व	मेष	02:34:39	सूर्य 08/12/2028
मंगल 28/08/2035	16:15:30	धनु	हर्ष	मक	03:14:25	चन्द्र 09/04/2030
राहु 04/07/2038	20:17:20	धनु	नेप	धनु	29:20:19	मंगल 16/03/2031
गुरु 14/01/2041	25:12:12	तुला	प्लूटो	वृश्चि	06:11:18	राहु 08/08/2033

लग्न-चलित

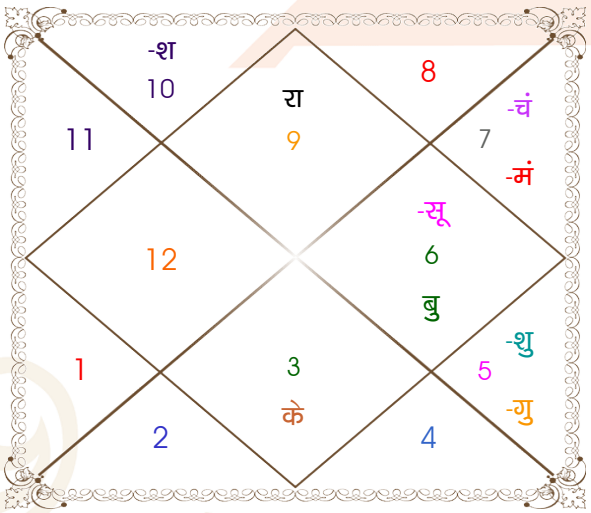

लग्न-चलित

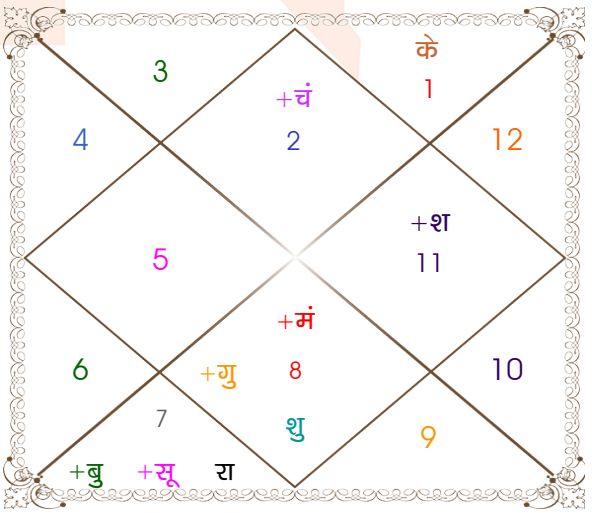

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

rahul का वर्ग मृग है तथा Varsha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार rahul और Varsha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

rahul मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Varsha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Varsha कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Varsha कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल rahul कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

rahul तथा Varsha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।